Title: Requested for a discussion over the issue of explosions in Bharatpur and Kanpur Ordnance Depot.

श्री रामजीलाल सुमन (फिरोजाबाद) : उपाध्यक्ष महोदय, पिछली बार जब लोक सभा का सत्र चल रहा था, उससे थोड़ा पहले भरतपुर आर्डिनेंस डिपो में विस्फोट हुआ था। संसदीय कार्य मंत्री यहां विद्यमान हैं। उस समय नियम 193 के तहत भरतपुर विस्फोट पर यहां चर्चा कराया जाना सुनिश्चित हुआ था। भरतपुर के विस्फोट के बाद कानपुर आर्डिनेंस डिपो में विस्फोट हो गया। उससे पहले 1988 में जबलपुर में विस्फोट हुआ था, उसके बाद एक कमेटी बनी। भरतपुर में जब विस्फोट हुआ तो उसके बाद भी एक सुक्कू कमेटी बनी। इन कमेटियों की संस्तुतियों का क्या हुआ, पता नहीं। यह कितनी गम्भीर घटना है कि कारगिल युद्ध में जितने हथियार नष्ट हुए, उससे दस गुना ज्यादा हथियार भरतपुर में नष्ट हो गये।

ये जो आयुध डिपो हैं, ये दूसरे विश्व युद्ध के जमाने के हैं। भरतपुर का आर्डिनेंस डिपो 1965 में बना है और कानपुर का आर्डिनेंस डिपो 1941 में बना है।

उपाध्यक्ष महोदय, आने वाले समय में इस पर ध्यान न दिया गया तो न सिर्फ भरतपुर और कानपुर शहर, बल्कि इनके आसपास के इलाके भी नष्ट हो जाएंगे। मैं संसदीय कार्य मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि भरतपुर और कानपुर के आयुध डिपों में जो विस्फोट हुए हैं, उन पर विस्तृत चर्चा सदन में कराए जाने का कष्ट करें। पहले नियम 193 के तहत इस पर चर्चा कराना सुनिश्चित किया गया था इसलिए संसदीय कार्य मंत्री जी इस पर कुछ कहें।

उपाध्यक्ष महोदय : मैं उनको मजबूर नहीं कर सकता।